रोल नं.
Roll No. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4
No. of printed pages : 4

102

402 (IAC)

# 2018

# हिन्दी

## ( केवल कृषि वर्ग भाग—II के लिए )

समय : 3 घण्टे ] [ पूर्णांक : 100

निर्देश : (1) इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड 'अ' और 'ब' हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव क्रमवार दीजिए।

(2) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

### खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

चिन्ता को लोग चिता कहते हैं। जिसे किसी प्रचण्ड चिंता ने पकड़ लिया है, उस बेचारे की जिन्दगी ही खराब हो जाती है। किन्तु ईर्ष्या शायद चिन्ता से भी बदतर चीज है क्योंकि वह मनुष्य के मौलिक गुणों को ही कुण्ठित बना डालती है।

मृत्यु शायद, फिर भी श्रेष्ठ है, वनिस्पत इसके कि हमें अपने गुणों को कुण्ठित बनाकर जीना पड़े। चिंता दग्ध व्यक्ति समाज की दया का पात्र है। किन्तु ईर्ष्या से जला–भुना आदमी जहर की एक चलती–फिरती गठरी के समान है, जो हर जगह वायु को दूषित करती फिरती है।

ईर्ष्या मनुष्य का चारित्रिक दोष ही नहीं है, प्रत्युत इससे मनुष्य के आनन्द में भी बाधा उत्पन्न होती है। जब भी मनुष्य के हदय में ईर्ष्या का उदय होता है, सामने का सुख उसे मद्धिम सा दीखने लगता है। पक्षियों के गीत में जादू नहीं रह जाता और फूल तो ऐसे हो जाते हैं, मानों वे देखने के योग्य ही न हों।

(क) ईर्ष्या चिन्ता से भी बदतर चीज क्यों हैं ? 3

(ख) मृत्यु कब जीवन से श्रेष्ठ है ? 3

(ग) चिन्ता दग्ध और ईर्ष्यालु व्यक्ति को समाज में किस दृष्टि से देखा जाता है ? 3

(घ) किस प्रकार से ईर्ष्या मनुष्य के आनन्द में बाधा डालती है ? 3

(ङ) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 3

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए – 10

(क) विज्ञापन और हमारा जीवन (ख) हमारी वन–सम्पदा

(ग) प्राकृतिक आपदा (घ) उत्तराखण्ड में पर्यटन

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 1×5 = 5

(क) प्रिन्ट मीडिया किसे कहते हैं ?

(ख) 'फीचर' लेखन का आशय लिखिए।

(ग) 'श्रव्य संचार' माध्यम का एक उदाहरण लिखिए।

(घ) किसी हिन्दी मासिक पत्रिका का नाम बताइए।

(ङ) आलेख या स्तम्भ किसे कहते हैं ? लिखिए।

4. अपने विद्यालय में मनाए गए 'वृक्षारोपण दिवस' पर लगभग 150 शब्दों का एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए। 5

**अथवा**

'लगातार बढ़ती मँहगाई' से जनता में फैले असन्तोष पर लगभग 150 शब्दों का आलेख तैयार कीजिए।

5. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

घर कि घर में चार भाई,
मायके में बहिन आई,
बहिन आई बाप के घर,
हाय रे परिताप के घर!
घर कि घर में सब जुड़े हैं,
सब कि इतने कब जुड़े हैं,
चार भाई, चार बहिनें,
भुजा भाई प्यार बहिनें,

(क) मायके में आई बहिन के लिए कवि ने घर को 'परिताप का घर' क्यों कहा है ?
(ख) 'भुजा भाई प्यार बहिनें' का आशय स्पष्ट करके लिखिए।
(ग) इस काव्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए।

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

मैं निज उर के उद्‌गार लिए फिरता हूँ,
मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ;
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ!

(क) कवि ने निज उर का उपहार किसे कहा है ? लिखिए
(ख) कवि को यह संसार अपूर्ण क्यों लगता है ?
(ग) इस काव्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए।

7. निम्नलिखित काव्यांशों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए – $2+2=4$

(क) अंसुवन जल सींचि–सींचि, प्रेम–बेलि बोयी
अब त बेलि फैलि गयी, आणंद–फल होयी।

(ख) दुनिया का सबसे पतला कागज उड़ सके–
बाँस की सबसे पतली कमानी उड़ सके–
कि शुरू हो सके सीटियों, किलकारियों और
तितलियों की इतनी नाजुक दुनिया

8. (क) कबीर ने अपने पद 'संतों देखत जग बौराना' में किन–किन पाखण्डों का वर्णन किया हैं ? 2

**अथवा**

निर्मला पुतुल की कविता 'आओ, मिलकर बचाएँ' में आदिवासी समाज की किन बुराइयों की ओर संकेत किया गया है ?

(ख) 'कविता के बहाने' कविता के सन्दर्भ में 'बिना मुरझाए महकने के माने' क्या होते हैं ? 2

**अथवा**

शायर 'राखी' के लच्छे को बिजली की चमक की तरह कहकर क्या भाव व्यंजित करना चाहता है ?

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

मैं उत्तर–पश्चिम में खैबर के दर्रे से लेकर धुर दक्खिन में कन्याकुमारी तक की अपनी यात्रा का हाल बताता और यह कहता कि सभी जगह किसान मुझसे एक–से सवाल करते, क्योंकि उनकी तकलीफें एक–सी थीं– यानी गरीबों, कर्जदारों, पूँजीपतियों के शिकंजे, जमींदार, महाजन, कड़े लगान और सूद, पुलिस के जुल्म, और ये सभी बातें गुँथी हुई थीं, उस ढढ्ढे के साथ, जिसे एक विदेशी सरकार ने हम पर लाद रखा था और इनसे छुटकारा भी सभी को हासिल करना था। मैंने इस बात की कोशिश की कि लोग सारे हिंदुस्तान के बारे में सोचें और कुछ हद तक इस बड़ी दुनिया के बारे में भी, जिसके हम एक जुज़ हैं। मैं अपनी बातचीत में चीन, स्पेन, अबीसिनिया, मध्य यूरोप, मिस्र और पच्छिमी एशिया में होने वाले कशमकशों का जिक्र भी ले आता।

(क) लेखक किसानों को देश की किन समस्याओं से परिचित कराते थे ?
(ख) लेखक किसानों के दृष्टिकोण में किस प्रकार का परिवर्तन लाना चाहते थे ?
(ग) निबन्ध तथा इसके लेखक का नाम लिखिए।

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

बाजार आमन्त्रित करता है कि आओ मुझे लूटो और लूटो। राब भूल जाओ, मुझे देखो। मेरा रूप और किसके लिए है? मैं तुम्हारे लिए हूँ। नहीं कुछ चाहते हो, तो भी देखने में क्या हरज है। अजी आओ भी। इस आमन्त्रण में यह खूबी है कि आग्रह नहीं है आग्रह तिरस्कार जगाता है। लेकिन ऊँचे बाजार का आमन्त्रण मूक होता है और उससे चाह जगती है। चाह मतलब अभाव। चौक बाजार में खड़े होकर आदमी को लगने लगता है कि उसके अपने पास काफी नहीं है और चाहिए, और चाहिए। मेरे यहाँ कितना परिमित है और यहाँ कितना अतुलित है ओह!

कोई अपने को न जाने तो बाजार का यह चौक उसे कामना से विकल बना छोड़े। विकल क्यों, पागल। असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या से घायल कर मनुष्य को सदा के लिए यह बेकार बना डाल सकता है।

(क) बाजार के आमन्त्रण में क्या विशेषता है ?

(ख) चौक बाजार आदमी को क्या सोचने पर विवश करता है ?

(ग) अपनी आवश्यकताओं को न जानने का क्या परिणाम होता है ?

11. मियाँ नसीरुद्दीन का अखबारवालों के संबंध में क्या दृष्टिकोण है ? 3

**अथवा**

इतिहास में 'स्पीति' का वर्णन नहीं मिलता। क्यों ?

12. 'गगरी फूटी बैल पियासा' इन्दर सेना के इस खेलगीत में बैलों के प्यासा रहने की बात क्यों मुखरित हुई है ? 3

**अथवा**

भक्तिन के आ जाने से महादेवी जी को कौन से विशिष्ट व्यंजन प्राप्त होने लगे ?

13. 'कुंई' का मुँह छोटा रखने के क्या कारण हैं ? 2

**अथवा**

तातुश, लेखिका (बेबी हालदार) को देखकर अक्सर क्या सोचते थे ?

14. किशन दा ने 'यशोधर बाबू' की किस प्रकार क्या–क्या सहायता की थी ? 2

**अथवा**

हम सिंधु घाटी सभ्यता को जल–संस्कृति कह सकते हैं। क्यों ?

15. 'जूझ' के कथानायक की ओर संकेत करते हुए इस उपन्यास–अंश की कथावस्तु का विवेचन कीजिए। 5

**अथवा**

बेबी की जिंदगी में तातुश का परिवार न आया होता तो उसका जीवन कैसा होता ? लिखिए।

## खण्ड – 'ब'

16. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत। $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

(निम्नलिखित गद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए।)

अत्रत्याः जनाः सरलाः, परिश्रमशीलाः, बुद्धिमन्तः च भवन्ति। साम्प्रतम् अपि एतादृशानि स्थानानि पर्वतीयप्रदेशेषु द्रष्टुं शक्यन्ते यत्र जनाः गृहेषु तालकम् अपि न स्थापयन्ति। अत्रत्याः महिलाः अपि अतीव श्रमशीलाः भवन्ति। एतदेव कारणम् अस्ति यत् प्रतिवर्षं देशविदेशतः लक्षशः जनाः अत्र आगत्य जीवने नूतनोत्साहम् आनन्दं शान्तिं च प्राप्नुवन्ति।

(क) अत्रत्याः जनाः कीदृशाः भवन्ति ?

(ख) पर्वतीय पर्वतेषु साम्प्रतम् अपि कीदृशानि स्थानानि द्रष्टुं शक्यन्ते ?

(ग) जनाः अत्र आगत्य किं प्राप्नुवन्ति ?

17. अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत। $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए।)

एकदा अनुजः स्वादु मांसम् आनीतवान्। किन्तु तस्य भक्षणात् अग्रजः उदरे महान्तं तापम् अनुभूतवान्। अचिरात् एव तेन वमनं प्राप्तम् अपि। अतः सः तस्मिन् एव क्षणे 'इतः परं मया मांसभक्षणं न करणीयम्' इति सङ्कल्प्य अनुजम् अवदत्–"भ्रातः ! इतः परम् अहं कदापि मांसभक्षणं न करिष्यामि।"

(क) अनुजः किम् आनीतवान् ?

(ख) कस्य भक्षणात् अग्रजः उदरे महान्तं तापम् अनुभूतवान् ?

(ग) अग्रजः किं संकल्पम् अकरोत् ?

18. प्रदत्त श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत। 2

(निम्नलिखित श्लोक से पूछे गए प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये)

कस्त्वं भोः? कविरस्मि, तत्किमु सखे! क्षीणोऽस्यनाहारतो ?
धिग्देशं गुणिनोऽपि दुर्गतिरियं, देशं न मामेव धिक्।
पाकार्थी क्षुधितो यदैव विदधे पाकाय बुद्धिस्तदा
विन्ध्ये नेन्धनमम्बुधौ न सलिलं, नान्नं धरित्रीतले।।

(क) कवि अस्मि श्रुत्वा जनः किं धिकः वदति ?

(ख) यदा कवि पाकाय बुद्धिं विदधाति तदा किं किं भवति ?

19. प्रदत्त श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत। 2

(निम्नलिखित श्लोक से पूछे गए प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये।)

सुखदुःखयोश्च ग्रहणाच्छिन्नस्य च विरोहणात्।
जीवं पश्यामि वृक्षाणामचैतन्यं न विद्यते॥

(क) छिन्नस्य वृक्षस्य किं भवति ?

(ख) अत्र कविः किं पश्यति?

20. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत। 2½+2½=5

(संस्कृत पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)

(क) स्वदेशगमनतः पूर्वं ह्यून्त्साङ्ग किं कृतवान् ?

(ख) भुवि भारभूताः के जनाः सन्ति ?

(ग) मणिरामस्य स्यूते कानि रत्नानि सन्ति ?

(घ) हरिशब्दं श्रुत्वा राधा कृष्णं किम् अकथयत् ?

21. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत। 2½+2½=5

(संस्कृत पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए)

(क) गोविन्दबल्लभपन्तः कस्य मुख्यमन्त्री अभवत् ?

(ख) सर्वे: मण्डूकैः किं निर्णीतम् ?

(ग) विद्यालयस्य वार्षिक–विवरणस्य प्रस्तुतिकरणं कः करिष्यति ?

(घ) गान्धारी कस्य माता आसीत ?

22. अधोलिखितेषु पदेषु मात्र **चत्वारि** पदानि चित्वा तेषां वाक्य रचना संस्कृत भाषायां कुरुत। 4

(निम्नलिखित पदों में से **चार** पदों की वाक्य रचना संस्कृत में कीजिए)

| प्रतिदिनं, वानरात्, विद्यालये, भवन्ति, कुत्र, न्यायालय, भारतम्, केषाम्, अस्माकम्, दुग्धम् |
|---|

23. (क) सन्धि विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) : 1

दुर्योधनः **अथवा** तच्चौरः

(ख) सन्धिं कुरुत। (सन्धि कीजिए।) : 1

गुणिनः + अपि **अथवा** पूर्णः + चन्द्रः

(ग) समास विग्रहं कुरुत। (समास विग्रह कीजिए।) : 1

समाजोत्थानाय **अथवा** जीविकोपार्जनम्

(घ) कारकं स्पष्टं कुरुत। (कारक स्पष्ट कीजिए।) : 1

कामात् क्रोधं अभिजायते **अथवा** गणेशाय नमः

(ङ) विभक्तिं वचनं च लिखत। (विभक्ति और वचन लिखिए) : 1

अनेकासाम् **अथवा** केशवस्य

(च) पुरूषं वचनं च लिखत्। (पुरूष और वचन लिखिए।) 1

गास्यन्ति **अथवा** करिस्यामि

**अथवा**

अस्मिन प्रश्न–पत्रे आगतम् श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कंठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायां तस्य अनुवादं कुरुत।

(कोई एक कण्ठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्न–पत्र में न आया हो, लिखिए और उसका हिन्दी में अनुवाद कीजिए) 3+3 = 6

********